पहल : आईआईएम में खुला बीएमसीटीए

रांची | प्रमुख संवाददाता

आईआईएम, रांची में आदिवासी विकास, उद्यमिता और योजना के क्षेत्र में शोध और प्रशिक्षण के संचालन के लिए बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स (बीएमसीटीए) की स्थापना की गई। सूचना भवन में बुधवार को इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने किया।

आईआईएम, रांची ने आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए विकास भारती, बिशुनपुर और फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया। यह केंद्र जनजातीय मामलों में अनुसंधान और प्रशिक्षण का केंद्र होगा। कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय, विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत, फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी फॉर मुंबई चैप्टर की उपाध्यक्ष नमिता पंड्या और रांची चैप्टर की अध्यक्ष रेखा जैन समेत अन्य मौजूद थे।

आईआईएम रांची में बुधवार को बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स के उद्घाटन समारोह में राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू वीसी के माध्यम से शामिल हुईं।

राज्यपाल ने बीएमसीटीए के लिए आईआईएम, रांची की सराहना की। उन्होंने कहा कि आदिवासी मूल्यों और जनजातियों की सांस्कृतिक विरासत के प्रति लोगों को जागरूक करना हमारी जिम्मेदारी है। छात्र इस केंद्र के माध्यम से आदिवासी समुदाय के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सरकार इस पहल के जरिए उन्हें और अधिक विकास उपलब्ध कराएगी। कहा कि उम्मीद है कि आईआईएम, रांची झारखंड राज्य में उद्यमिता विकास के लिए छात्रों को तैयार करेगा।

अशोक भगत ने कहा कि विकास भारती ने अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत के संपूर्ण विकास का लक्ष्य रखा है।

आईआईएम, रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने कहा कि आदिवासी मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह समुदाय अभी भी पिछड़ा माना जाता है। इस केंद्र के माध्यम से लोगों को आदिवासी मुद्दों, आय सृजन और उद्यमिता कार्यक्रमों पर जागरूक किया जा सकता है। मौके पर एमओयू की हस्ताक्षरित प्रतियों का आदान-प्रदान विकास भारती और फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी के साथ किया गया।

Hindustan, 25.02.2021, Pg. 06